रात्रि क्लास 11-3-68 ओमशान्ति "शिव बाबा याद है?"

बच्चे जानते हैं बाप बाप भी है, टीचर भी है, सद्गुरु भी है। यह फिर किसको पता नहीं है। कृष्ण तो बच्चा होगा। कोई भी मनुष्य को यह पता नहीं है। बाप, टीचर गुरु तीनों ही मुख्य है ना। यह एक ही तीन है यह किसको समझाना भीवन्डर है। शिव के चित्र में भी बड़े अक्षर में लिखना चाहिए सुप्रीम बाप है, सुप्रीम टीचर है। ~~तेज~~ कृष्ण का नाम उड़ जाये। भगवान एक है वही सद्गुरु है। मुख्य है तीन। बाप टीचर और सद्गुरु भी है। शिक्षक अर्थात राजयोग सिखलाते हैं। एक्टर्स तो भक्तिनामाया भरना पड़ता है। फिर भी बुधि में बैठता नहीं। शिवरात्रि मनाते हैं तो उनकी बायोग्राफी चाहिए ना। कृष्ण के कुछ भी कह न सकेंगे। उनकी तो सहज है। यह ~~ब्रह्म~~ जो किरणाएं दिखाई है इस ~~सेंट~~ तो लिखे शिव बाबा सभी का बाप है। शिक्षक भी है, राजयोग सिखलाते हैं। सद्गुरु सदगति करते हैं। बड़े अक्षरों में आर्टिकल पेशन लिखना चाहिए। इनके ऊपर में बड़े अक्षरों में हो कृष्ण तो बच्चा है। वह गुरु हो न सके। इनको सद्गुरु कहते हैं। अकाल मूर्त है ना। बाबा पढ़ाते तो हैं ना। गीता आद कंठ करने की दरकार ही नहीं। है ही अलग और दे। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो बादशाही ~~प्र~~ मिलेगी। वास्तवमें वह सभी गुरु भक्ति ही सिखलाते हैं। सत्य एक बाप ही सिखलाते हैं। बाप कहते हैं मैं तुमको पार ले जाता हूं। फिर नीचे कैसे उतरते हो कोई बता न सके। मैं रचयिता हूं बाकी सभी हैं रचना। देहधारी सभी है रचना। रचयिता एक है। जो विदेही, विचित्र है। ऐसी2 पाईन्ट समझाने लिए याद करनी चाहिए। भगवान समझाते हैं वह तो जरूर ठीक ही होगा ना। मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे। तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है। सतोप्रधान बनने से आत्मायें उड़ेंगी। जब तक आत्मा प्युर नहीं बनी है तब तक उड़ न सके। सब से तीखा है यह राकेट। चपटी में आत्मा कहां का कहां चली जाती है। टिक टिक होती रहती है। बाप कहते हैं सेकण्ड में राज्य मिलता है। बाबा कहा और वे सेकण्ड में विश्व के मालिक बने। बाप को जाना। फिर दैवी-गुण धारण करनी है। हम शिव बाबा के बने हैं तो तो हमारे में कोई भी अवगुण नहीं होना चाहिए। तुम बच्चों को यही याद रहना चाहिए हम संगम युग पर पढ़ते हैं सतयुग आद के लिए। अभी है पुरुषोत्तम संगम युग। सतयुग आदि [illegible] ते हैं। बाप समझाते हैं जज करो बाप ठीक कहते हैं। मैं तुमको कितना समझदार बनाता हूं। [illegible] को नालायक, समझदार को लायक कहा जाता है। अभी यहां बैठे हो सभी जानते हो हमको भगवान बेहद का बाप पढ़ाते हैं। बाप कहते हैं सिर्फ हमको याद करो। योग के लिए भी ज्ञान है। फिर सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है वह भी ~~स्व~~ ज्ञान हुआ। ज्ञानसे ही सदगति होती है। पहले नहीं समझते थे। कितनी सहज नालेज है। टाईम सिर्फ याद लेती है। बच्चे जानते हैं हमको सतोप्रधान जरूर बनना है। हरेक अपने को देखे मैं कितनी सर्विस करता हूं। ~~स्व~~ बनना चाहिए ना। बाप समझाते हैं मेरे समान अशरीरी बनो तो अशरीरी शान्ति धाम मूलवतन में चले जावेंगे और तुम पवित्र बन जावेंगे। यह तुम्हारी यात्रा वा याद की मुसाफिरी है। याद से ही देखो कितनी प्राप्ती होती है। भक्ति के लिए तो सुबह और शाम का टाईम होता है। यहां तो चक्र को समझ लिया। बाकी बाप को याद करना है। सा0 की भी बात नहीं। मुख्य है याद। याद ही न करेंगे तो दीदार से भी क्या फायदा। याद बिगर सतोप्रधान विश्व का मालिक कैसे बनेंगे। सा0 तो रोज की होती थी। बैठे2 सा0 में चले जाते थे। सा0 की खुशी में भी बैठ नहीं जाना चाहिए। न ख़याल करे हमको सा0 हो। बाप कहते हैं मेरे ~~स्व~~ समान अशरीरी भव। ~~अच्छा बच्चों को मुबारक~~ तुम विश्व के मालिक बनते हो। कोई जीत न सके। सारा आसमान तुम्हारा था। अभी तो आपस में टूकड़े2 पर लड़ते हैं। भाषाओं परभी झगड़ा। वहां तो एक भाषा थी। बाप आकर समझाते हैं यह सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है। इसको ऋषि-मुनि आद कोई नहीं जानते। आओ तो हम इन ल0ना0 के जीवनकहानीको बतावें। जन्म-जन्मान्तर का बोझा है तो याद के बल से खत्म करना है। लिखते हैं एक घंटा दो घंटा याद किया। लज्जा शर्म आना चाहिए हम बाप को क्यों नहीं याद करते हैं। यह आने जाने का तो ड्रामा बना हुआ है। हम ने पार्ट बजाया है अभी सुख की दुनिया में जाना है। अच्छा ओम।